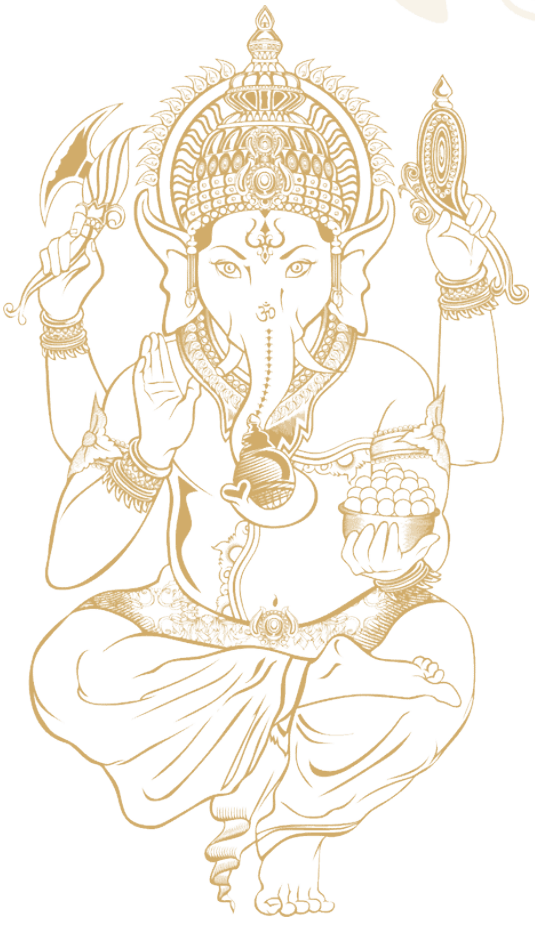

Deepak gehlot

Payal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121748403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/12/1994	जन्म तिथि	2-03/12/1996
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 17:00:00	जन्म समय	06:45:00 घंटे
घटी 24:16:14	जन्म समय(घटी)	58:59:47 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:30	सूर्योदय	07:09:05
17:47:11	सूर्यास्त	17:44:53
23:47:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:51

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 0मा 9दि	18:53:44	वृष	लग्न	वृश्चि	11:09:21	शुक्र 16वर्ष 7मा 7दि
राहु	29:28:24	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	17:20:16	चन्द्र
25/12/2015	01:03:03	वृष	चंद्र	सिंह	15:35:52	12/07/2019
25/12/2033	06:52:19	सिंह	मंगल	सिंह	23:36:56	11/07/2029
राहु 07/09/2018	00:13:23	धनु	बुध	धनु	03:58:41	चन्द्र 11/05/2020
गुरु 30/01/2021	07:30:31	वृश्चि	गुरु	धनु	24:56:41	मंगल 10/12/2020
शनि 07/12/2023	16:47:55	तुला	शुक्र	तुला	18:32:30	राहु 11/06/2022
बुध 25/06/2026	13:00:34	कुंभ	शनि व	मीन	06:47:42	गुरु 11/10/2023
केतु 14/07/2027	20:37:40	तुला व	राहु व	कन्या	11:45:01	शनि 11/05/2025
शुक्र 14/07/2030	20:37:40	मेष व	केतु व	मीन	11:45:01	बुध 11/10/2026
सूर्य 07/06/2031	00:46:10	मक	हर्ष	मक	08:01:28	केतु 12/05/2027
चन्द्र 06/12/2032	28:11:07	धनु	नेप	मक	02:02:46	शुक्र 10/01/2029
मंगल 25/12/2033	05:09:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:29:56	सूर्य 11/07/2029

लग्न-चलित

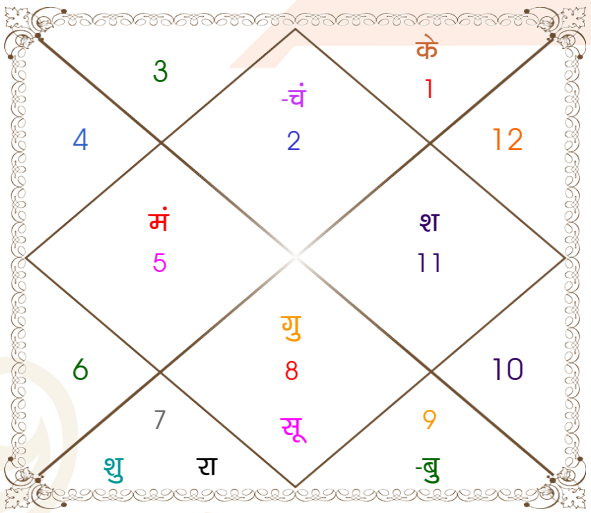

लग्न-चलित

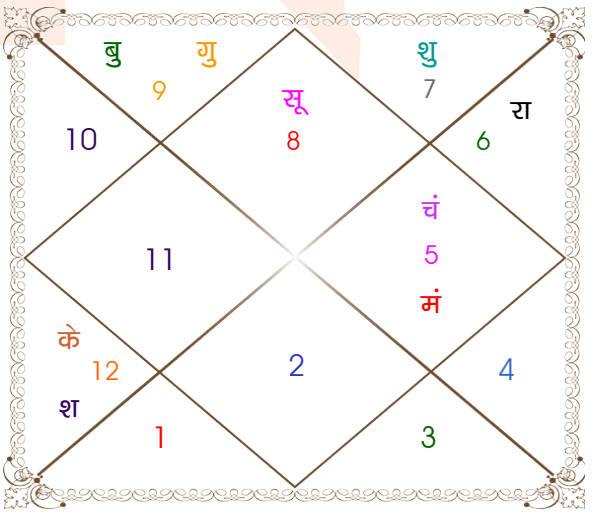

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

क्ममचां हमीसवज का वर्ग गरूड़ है तथा च्लंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां हमीसवज और च्लंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां हमीसवज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

च्लंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्लंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां हमीसवज तथा च्लंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।